का विचार आज की विचार-धारा के प्रतिकूल और संयुक्त राष्ट्र के उपनिवेश प्रदेशों को स्वतन्त्रता प्रदान करने के प्रस्ताव के विरुद्ध है ।

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री से जानना चाहता हूं कि क्या ब्रिटेन ने यह नया सुझाव इसलिए अपनाया है कि अदन में ब्रिटिश साम्राज्यवाद पर आघात हो रहा है और वहां से उन को लग रहा है कि भागना पड़ेगा और क्या मारीशस की आजादी के लिए यह द्वीपों को देना उन्होंने एक शर्त बनाई है और कहा है कि अगर यह द्वीप आप नहीं देंगे तो आप को आजादी नहीं मिलेगी? इन द्वीपों पर सार्वभौमिकता किन की रहेगी, अंग्रेजों की रहेगी या मारीशस आदि की रहेगी, यह मैं जानना चाहता हूं ।

श्री दिनेश सिंह : यह हमारे लिये कहना मुश्किल है कि ब्रिटिश सरकार ने मारीशस सरकार से यह शर्त रक्खी थी या नहीं रक्खी थी। यह बात तो उन दोनों सरकारों के लोगों को ही मालूम होगी ।

श्री मधु लिमये : क्या आप का कोई प्रतिनिधि वहां है नहीं ? मारीशस के लोगों के पुरखे और हमारे पुरखे एक थे ।

श्री दिनेश सिंह : इस बातचीत में हमारा प्रतिनिधि नहीं था लेकिन यह जाहिर है कि चूंकि मारीशस की आजादी 1966 में होने वाली है तो इसलिए ब्रिटेन सरकार ने इन द्वीपों को अलग किया है । बाकी यह शर्त उन्होंने खास रक्खी है या नहीं रक्खी है यह कहना मेरे लिए संभव नहीं है ।

श्री मधु लिमये : दूसरी बात मैं ने यह पूछी थी कि सार्वभौमिकता किस की रहेगी इन द्वीपों पर ?

श्री दिनेश सिंह : जो अभी तक प्रस्ताव ब्रिटेन सरकार ने जाहिर किया है उस से तो मालूम होता है कि यह ब्रिटेन के कब्जे में रहेगा ।

Shri D. C. Sharma (Gurdaspur): May I know if in accordance with the practice which has been prevailing in the UK Government, especially the UK Government in the hands of the Labour Party, this base will not be used, directly or indirectly, for giving encouragement to Pakistani fascism? Has the Government made any enquiry on this point from the UK Government?

Shri Dinesh Singh: I do not think this base will be used for giving any direct facilities to Pakistan against us. Because the Pakstan's borders are adjoining ours and they can do whatever they like directly. But as they are going to be defence bases, Pakistan as a member of the defence pacts may get some assistance from there. Even so, we are opposed to the setting up of foreign military bases in the Indian Ocean.

Shri N. C. Chatterjee (Burdwan): Is it correct that the military base plan is behind the British offer to lend 3 million to Indian Ocean island of Diego Garcia near Mauritius and has that island some strategic significance for US?

Shri Dinesh Singh: This £3 million offer that the hon. Member has referred to is the compensation which is being proposed by the British Government to Mauritius for the establishment of Chagos base. So far as its strategic position is concerned, of course it occupies a very strategic place.

12.09 hrs.

Re: CALLING ATTENTION NOTICE
(Query)

Mr. Speaker: I have received another Calling Attention Notice today from a large number of hon. Members about the serious situation in the Banaras Hindu University.

श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती (मुज्जर) : मैं ने एक शार्ट नोटिस क्वैश्चन 18 तारीख को दिया था आप के सैक्रेटरी की प्रेरणा पर .....

अध्यक्ष महोदय : आप सुन लीजिये ।

मुझे नोटिस मिले थे और मैं ने उन को अपने खयाल के मुताबिक डिसएलाऊ किया था । कई मैम्बर साहिबान ने ये दिये थे लेकिन मैं ने उन की इजाजत नहीं दी थी मेरा अपना खयाल यह था कि जब बिल चल रहा है तो मैं उस पर कालिंग एटेंशन नोटिस की इजाजत न दूं । दोनों हाउस सावरेन हैं । राज्य सभा अपनी कार्यवाई की खुद मालिक है । बावजूद इस के कि उस ने खुद बिल पास किया है उन्होंने वहां पर इजाजत दी है और एक स्टेटमेंट वहां हुआ है .....

श्री हरि विष्णु कामत (औरंगाबाद) : दोनों सावरेन नहीं हैं, संविधान सावरेन है । आप ने बम्बई वाले अपने भाषण में कहा है कि कांस्टीट्यूशन सुप्रीम है ।

अध्यक्ष महोदय : उस के नीचे आ कर फिर कई सब-सावरेन भी पैदा हो जाते हैं ।

श्री बागड़ी (हिसार) : आप बाद में उन की नकल क्यों करते है ?

Shri Maurya (Aligarh): It happens very often.

अध्यक्ष महोदय : मैं एक चीज पूछना चाहता हूं । अगर मिनिस्टर साहब कोई इस पर स्टेटमेंट देना चाहते हैं तो मैं इस पर सब नोटिसिस को रिवाइव कर के मैम्बर्ज को इजाजत दूंगा कि वे सवाल कर लें । या तो यह किया जाए । या कुछ ऐसी चीज हो जिस से कोलोबोरेशन हो और गवर्नमेंट खयाल रखे कि कौन सी चीज इधर आ रही है या उधर आ रही है । मैं कुछ नहीं कह सकता हूं । लेकिन जब बिल चल रहा हो तो मेरे खयाल से उसको न किया जाए । और उन्हों ने वहां बयान दिया है तो यहां भी एक बयान शाम को पांच बजे दे दें ।

श्री बड़े (खारगोन) : लड़कों की एजीटेशन वहां पर

प्रधान मन्त्री तथा अणु शक्ति मन्त्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : यह तो ठीक है कि वह बयान यहां दें । लेकिन एक निवेदन और मैं कर देना चाहता हूं अगर हाउस उस को मंजूर करे तो कि उस बिल को यहां जल्दी ले लिया जाए । जो एजेंडा एनाउंस्ड है उसको छोड़ कर अगर मैम्बर और विरोधी दलस्य भी इस को मान लें तो कल ही हम उस बिल को ले सकते है और लोक-सभा अपनी राय दे सकती है । मिनिस्टर साहब ने कहा भी है कि जैसे लोक सभा की राय होगी उस के मुताबिक होगा, उस के मुताबिक कार्यवाई वह करेंगे । कल अगर उस को ले लें तो अच्छा होगा ।

श्री हरि विष्णु कामत : कल ले लिया जाए ।

Shri Gauri Shankar Kakkar (Fatehpur): It may be taken up tomorrow.

Shri S. M. Banerjee (Kanpur): I have a submission to make. I never gave notice of a "Call Attention" motion. I read in the newspaper today about the grave situation and students taking over the Proctor's office. I only wish that before the debate takes place the hon. Minister makes a statement on the situation there. The University is facing a closure.

अध्यक्ष महोदय : मिनिस्टर साहब तो है नहीं । उन को नोटिस नहीं था ।

Shri H. N. Mukerjee (Calcutta Central): This relates not by any means to the provisions of the Bill which we may or may not like. That is a different matter altogether. A situation has been created in the Banaras Hindu University campus which being a Central university is directed by this Government. Whether the Minister of Education is here or not is quite immaterial. If in the Banaras Hindu University campus events have taken place which have

caused great perturbation all over the country, quite irrespective of the rights and wrongs of the provisions of the Bill, we are certainly entitled to have some idea as to the situation as it exists and as it is being handled by Government pending the passing of the legislation and whatever that might be. That is what we wanted.

Shri N. C. Chatterjee (Burdwan): May I submit that all the trouble that has taken place is due to the manner in which the Council of States has passed or amended the Bill; therefore, it is much better that we should have the Bill here and give our judgement. That will completely avoid that trouble.

श्री बड़े : वहां सिचएशन बहुत बिगड़ गई है ।

Shri Vidya Charan Shukla (Mahasamund) I want to support what Shri N. C. Chatterjee has said. Since the Rajya Sabha has changed the name, now the Miniseter's statement cannot change the decision of the Rajya Sabha; it can only be tackled by the Lok Sabha. It does not make any difference whether the statement is made at 5 p.m. today or the Bill is taken up at 12 O'clock tomorrow. It is much better if it is taken up tomorrow than to have a statement today.

श्री बड़े : मैंने भी इसके बारे में नोटिस दिया है । वहां परिस्थिति बहुत खराब हो गई है । शासन को चाहिए कि वह जल्दी ही उस तरफ ध्यान देकर और एक स्टेटमेंट हाउस में आए । यह कहा गया है कि बिल आने वाला है । जब वह आ जाएगा तो उसके बाद उस पर विचार होगा । लेकिन परिस्थिति जो बिगड़ी है उस के बारे में सरकार का क्या कहना है, यह तो हमें बताया जाए । यह चीज तो पार्लियामेंट में आनी चाहिए ।

Shri Hem Barua (Gauhati): My name is also there.

Mr. Speaker: I am not calling all those Members whose names are there.

Shri S. M. Banerjee: Sir, let him make a statement today.

Shri Prakash Vir Shastri rose—

अध्यक्ष महोदय : एक बात मुझे कहनी है, शास्त्री जी । अगर एक हाउस एक बिल पास करता है, और उसके पास होने पर बाद जो वह फैसला लेता है उसके बरखिलाफ एजीटेशन करने के लिए कोई मुहिम, कोई कार्रवाई, कोई कैम्पेन जारी होता है तो क्या हम कालिंग एटेंशन नोटिस को लें । चटर्जी साहब ने कहा कि जो सिचुएशन वहां है उसको हम डिसकस करना चाहते हैं । लेकिन वह सिचुएशन किस का रिजल्ट है ? फर्ज कर लें—मैं यह नहीं कहता हूं कि यह होगा—जो राज्य सभा ने किया है वही यह हाउस भी कर दें तो फिर कालिंग एटेंशन नोटिस आते हैं तो हम क्या करेंगे । उस वक्त देखना यह होगा कि आप क्या डिसिशन लेते हैं । दो बातें हो सकती हैं । शायद आपका डिसिशन दिया हुआ इस बात को हल कर दे और एजीटेशन रहे ही न । एक बात तो यह हो सकती है । दूसरी पासिबिलिटी यह हो सकती है—— यह होगी, यह मैं नहीं कह रहा हूं—— कि जो राज्य सभा ने किया है उस की यह हाउस भी तसदीक कर दे और इस तरफ से जो कानून पार्लियामेंट के हाउसिस के सामने है वह पास हो जाए और फिर एजीटेशन तेज हो जाए और मेरे पास कालिंग एटेंशन नोटिस या एडजर्नमेंट मोशन लाये जायें कि जो कानून पास हुआ है उसके खिलाफ एजीटेशन हो रही है इसको और हम डिसकस करना चाहते हैं तो आप सोचें कि कहां तक यह जायज होगा । ऐसी सूरत में मेरा ख्याल है कि जैसा प्रधान मंत्री जी ने कहा है कि मिनिस्टर साहब स्टेटमेंट कर दें और हम जल्दी से इस बिल को ले लें और इस पर बहस शुरू करदें और फैसला करें उस का जो कुछ हमें करना है तो अच्छा रहेगा फिर अगर कोई एजीटेशन रहती है, अगर कोई

[अध्यक्ष महोदय]

ऐसा काज रहता है तो उसके बाद सवाल उठ सकता है कि क्या किया जाए।

श्री बड़े: स्टेटमेंट होना चाहिये।

Shri Hari Vishnu Kamath: May I submit . . .

Shri H. N. Mukerjee: May I beg of you to make a differentiation here? The Bill relates to a particular matter. We have to go into its rights and wrongs and make our decision. In Banaras, a particular kind of agitation is there and the Government has to tackle it. I am sure, this House or any other House would not like to be pressurised by whatever is happing there into giving its opinion one way or the other. We have to discuss that purely on its merits. Educational as well as other things have got to be considered. But in so far as this specific situation which has arisen in the campus of the Banaras Hindu University, which is the jurisdiction of the Union Government, is concerned, this House has a right to satisfaction in regard to the manner in which the Government has dealt with whatever agitation is taking place there. That is quite irrespective of the rights and wrongs of the matter. I do not say that because of the agitation I go back on the decision of the Rajya Sabha or because of the agitation I am fortified in my decision to keep on to the decision of the Rajya Sabha. That is a different matter altogether. The situation that has developed in the Banaras Hindu University campus which is governed by the Union Government has got to be reported by the Government to us and then it is for us to find out what is to be done.

Shri Hari Vishnu Kamath: May I make a submission?

Some hon. Members rose—

Mr. Speaker: I do not think any further discussion is needed on this. Only this much can be said by the Education Minister as to what is the position at this moment. That is all. We cannot discuss what the motives are, what the demands are and all that. We will not discuss that.

Shri Lal Bahadur Shastri: That he will do. The Education Minister will make a statement in the afternoon.

Shri Hari Vishnu Kamath: On a point of clarification, Sir.

Shri S. M. Banerjee: At what time?

Mr. Speaker: We will take it up at 5 O'Clock.

Shri Hari Vishnu Kamath: The Prime Minister was good enough to say that the Bill would be brought before the House tomorrow. Can we have an assurance as that Bill would be introduced here today so that we can study the Bill and come prepared tomorrow?

Mr. Speaker: Just now it will be introduced. The Secretary.

12.20 hrs.

MESSAGE FROM RAJYA SABHA

Secretary: Sir, I have to report the following message received from the Secretary of Rajya Sabha:—

"In accordance with the provisions of rule 111 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Rajya Sabha, I am directed to enclose a copy of the Banaras Hindu University (Amendment) Bill, 1965, which has been passed by the Rajya Sabha at its sitting held on the 16th November, 1965."